RURAL Immersion Programme

गाँव से जुड़ाव कार्यक्रम समाचार पत्र | 2024

Volume 9 | Wednesday, October 24, 2024 | Parivartan

October 20-25, 2024

पांचवा दिन, **24** अक्टूबर **2024**

आज सुबह 5 बजे सभी बच्चें एवं शिक्षक जगे | फ्रेश हुए उसके बाद योगा सत्र में शामिल होने परिवर्तन के मुक्ताकाश मंच के तरफ चल दिए | मुक्ताकाश मंच पर योगा सत्र का सञ्चालन हुआ | योग सत्र के बाद पुनः सभी बच्चें एवं शिक्षक स्नान करने एवं तैयार होने हेतु अपने अपने कमरे में गए | तैयार हो जाने के बाद सुबह के नाश्ते पर आये | 8:15 बजे तक सभी ने अपना नाश्ता पूरा कर लिया | आज स्पार्क्स एवं होप्स कार्यक्रम के तहत अलग अलग कुल **6** गाँव में जाना था एवं गाँव से सम्बंधित कई नयी जानकारियों को इक्कठा करन था | इस भ्रमण के साथ साथ देश के प्रथम राष्ट्रपति डॉ राजेन्द्र प्रसाद जी के पैत्रिक आवास पर भी जाना था

नाश्ता के तुरंत बाद परिवर्तन के सहयोगी सदस्यों के साथ भ्रमण हेतु निकलने के लिए तैयार हो गए | सुबह 8:30 -12:00 बजे तक अलग अलग कुल **6** गाँव का भ्रमण हुआ उसके बाद सभी समूह के सदस्य डॉ राजेन्द्र प्रसाद के आवास पर पहुंचे | वहां पहुँचने के बाद उनके घर के प्रत्येक कमरों एवं पुरे मकान का अच्छे से भ्रमण किये | इस दौरान कई नयी जानकारियां प्राप्त किये | डॉ राजेन्द्र प्रसाद के जीवन को और गहराई से समझाने हेतु बच्चों के बीच प्रश्नोतरी प्रतियोगिता का आयोजन भी हुआ | इस प्रश्नोतरी प्रतियोगिता मे सभी बच्चों ने अपनी सम्पूर्ण भागीदारी की | इस सत्र के बाद सभी टीम के सदस्य पुनः परिवर्तन के लिए लौट गए | परिवर्तन पहुचने के बाद दोपहर का खाना खाए एवं अपने अपने कमरे मे आराम करने चले गए |

थोड़ी देर आराम करने के बाद सभी बच्चें एवं शिक्षक परिवर्तन के सभागर में इकठ्ठा हुए | अब अगला सत्र कल्चरल मिक्स का आयोजित होना था | इस सत्र मे दिल्ली पब्लिक स्कुल पटना एवं परिवर्तन रंगमंडली टीम द्वारा कई सारे बेहतर गीत संगीत एवं नाटक की प्रस्तुति की गयी | सभी प्रस्तुतियां दर्शकों को काफी पसंद आयी | इस सत्र के बाद सभी ने शाम का नाश्ता किया एवं कल दिए जाने वाले प्रस्तुति पर काम करने हेतु अलग अलग समूहों मे बंटकर अपने अपने क्लास रूम के तरफ चले | लगभग 3 घंटे के गहन चिंतन, विचार विमर्श एवं मेहनत से पिछले 5 दिनों के कार्य के दौरान इकठ्ठा किये गए सभी आकड़ों को प्रस्तुति हेतु समेकित किया गया | इस काम के बाद सभी बच्चें खाना खाए एवं अपने अपने कमरे की तरफ सोने के लिए निकल चले क्योंकि कल सुबह ही इनकी पिछले 6 दिनों के कार्य की फाइनल प्रस्तुति होनी थी | इस प्रकार आज का दिन यहीं समाप्त हुआ |